



Total No. of Printed Pages – 4

CCSME21

808502

PAPER / पत्र – II

SANTALI LANGUAGE AND LITERATURE

संताली भाषा और साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 14

Full Marks : 150

Time : 3 Hours

पूर्णांक : 150.

समय : 3 घंटे

निर्देश :

- (1) जोजोम नाखा रे पूर्णांक एम आकाना ।
- (2) कुकली साकाम बार हिंस रे हाटिञ आकाना भाग – A रे मुट पुनया कुकली (कुकली लेखा 1 खोन 4) आर भाग – B रे मुट पुनया कुकली (कुकली लेखा 5 खोन 8) मेनाक्-आ ।
- (3) मुट तुर्य गोटाड कुकली रेयाक् उत्तर एम में । कुकली लेखा 1 आर कुकली लेखा 5 आक् उत्तर एमोक् निहात लागति काना ।
- (4) निहात लागतीयानाक् कुकली लेखा 1 आर कुकली लेखा 5 रेदो मुट एयाय-एयाय कुकली मेनाक् आ । मुट एयाय-एयाय कुकलीको मुदखोन मोडें-मोडें कुकलीको रेयाक् उत्तर एमोक् दो निहात लागती काना ।
- (5) निहात लागतीयानाक् कुकली लेखा 1 आर कुकली लेखा 5 आक् छाड़ा काते जोतो खण्ड खोन कम से कम मित्टाड आर मुट पुनया कुकली रेयाक उत्तर एममें ।

निर्देश :

- (1) हाशिये में पूर्णांक दिए गए हैं ।
- (2) प्रश्न-पत्र दो भागों में विभक्त हैं । भाग – A में कुल चार प्रश्न (प्रश्न सं. 01 से 04) एवं भाग – B में कुल चार प्रश्न (प्रश्न सं. 05 से 08) हैं ।
- (3) कुल छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न संख्या 05 का उत्तर देना अनिवार्य हैं ।
- (4) अनिवार्य प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न संख्या 05 के अंतर्गत कुल सात-सात प्रश्न हैं । कुल सात-सात प्रश्नों में से पाँच-पाँच प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है ।
- (5) अनिवार्य प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न संख्या 05 के अतिरिक्त दोनों भाग में से कम से कम एक एवं कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

CCSME21 (14)

P.T.O.



भाग - A

1. लातार रे एम आकान कुकलीको मुदखोन जाहाँगे मोड़े गोटाड (5) कुकली रेयाक् तेला ओलमें । (5 × 7 = 35)
 - (क) संताली पारसी रेनाक् ओनोरोम आर हाराबुरु बाबोद खाटोते ओनोल ओलमें ।
 - (ख) संताली पारसी हाराबुरु रे आमेरिकान व्याप्टिस्ट फोरेन मिशन सोसाईटी, जलेस्वर रेयाक् एनेम ओलमें ।
 - (ग) “भेन्ताकाथा” लायते चेत् एम बुझाव-आ ? नोवाँ रेयाक् लागती तिनाक् ओलमें ।
 - (घ) संताली होड़ सेरेज रेनाक् उनुरुम एममें ।
 - (ङ) संताली बिनती साँवहेत् दो ओकाको मेताक् काना ? नोवाँ रेयाक् हाटिजको ओलमें ।
 - (च) संताली रोनोड़ लेकाते उनुम (सर्वनाम) दो ओकाको मेताक् काना ? नोवाँ रेयाक् हाटिजको ओलमें ।
 - (छ) संताली पारसी सालाक् मुण्डारी पारसी रेनाक् ओकालेकान सागाई मेनाक्आ ?
2. साधु रामचाँद मुरमुवाक् “संसार फेंद” गायान पुथी रेयाक् सारकाया ओलमें । 20
3. संताली पौरानिक् साँवहेत् लेकाते “भाँडान बिनती” रेयाक् काहनी ओलमें । 20
4. काहनी दो ओकाको मेताक् काना ? नोवाँ रेयाक् तेतेदको इदिकाते ओलमें । 20

भाग - B

5. लातार रे एम आकान कुकलीको मुदखोन जाहाँगे मोड़े गोटाड (5) कुकली रेयाक् तेला ओलमें । (5 × 7 = 35)
 - (क) संताली साँवहेत् हारा राकाप् रे बाँगला साँवहेत् रेयाक् तारास् तिनाक् जुर आकाना ? तोजबीज काते ओलमें ।
 - (ख) संताली साँवहेत् हाराकाप् रे यशोदा हाँसदा मुरमू-आक् एनेम ओलमें ।
 - (ग) ठाकुर प्रसाद मुरमू-आक् साँवहेत् जियोन ओलमें ।



- (घ) दुलाड़ रासा सिरजाऊरे नायनियल मुरमू-आक् उपन्यास “अजय गाडा छिपरे” रे ओकालेका सेतेज आकाना ओलमें ?
- (ङ) डमन हाँसदा-आक् साँवहेत् एनेम खाटोते ओलमें ।
- (च) संताली साँवहेत् हारा बुरे प्रफेसार कृषणचन्द्र टुडू-आक् एनेम ओलमें ।
- (छ) संताल साँवतारे “माँझी” आक् कामी हीरा को ओलमें ।
6. संताली ओनोड़हेँ साँवहेत् रेनाक् नागाम ओलमें । 20
7. गोरचाँद टुडू-आक् “चाँदमाला” पुथी इदिकाते मित्टाड तुलाजोखा ओलमें । 20
8. संताली पारसीते तोरजोमाय (अनुवाद) में : 20
- “भाषा की तरह संस्कृति का भी एक अर्थविज्ञान है । शब्दों की अर्थों की तरह सामाजिक संस्थाओं के अर्थ का भी रिक्तीकरण हुआ करता है । जबतक मियक (या अनुष्ठान) द्वारा व्यक्त सत्य सामूहिक धरातल पर अनुभूत होता रहता है, तबतक इसका अर्थ स्पष्ट रहता है । लेकिन सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिति के परिवर्तन के साथ ही इसका अभिप्राय धुमिल होने लगता है और यह रचनात्मक प्रेरणा के बदले उपचार या रुढ़ी बन जाता है ।”